INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: X	Department: Hindi	Date of submission: NA
Question Bank: 17	**Topic:** टोपी शुक्ला	Note: Pl. file in portfolio

कहानी - टोपी शुक्ला - राही मासूम रज़ा - 1927 - 1992

प्रश्न - उत्तर

प्रश्न 1. इफ़्फ़न टोपी शुक्ला की कहानी का महत्त्वपूर्ण हिस्सा किस तरह से है?

उत्तरः इफ़्फ़न टोपी शुक्ला की कहानी का महत्त्वपूर्ण हिस्सा है क्योंकि इफ़्फ़न टोपी शुक्ला का सबसे पहला मित्र था। इफ़्फ़न से और उसकी दादी से टोपी शुक्ला को वह प्यार मिला था जो उसे कभी अपने घर से नहीं मिला था। इफ़्फ़न मुसलमान था परंतु मित्रता केवल अपनापन देखती है। इफ़्फ़न उसका दुख-दर्द समझता था। इफ़्फ़न के पिता का तबादला होने पर इफ़्फ़न चला गया और टोपी बिल्कुल अकेला रह गया। अब उसे समझने वाला कोई नहीं था ।

प्रश्न 2. इफ़्फ़न की दादी अपने पीहर क्यों जाना चाहती थीं?

उत्तरः इफ़्फ़न की दादी पूरब की रहने वाली थीं। ब्याह कर लखनऊ आई तो उसे कई असुविधाओं का सामना करना पड़ा। इफ़्फ़न के दादा मौलवी थे। वह जमींदार की बेटी थी। भरे-पूरे घर से आई थी। खूब घी, दूध खाया-पीया था। मगर लखनऊ आकर तो वह इन चीजों को तरस गई। शादी-ब्याह में गाने-बजाने का शौक था। मगर मौलवी के घर में इन बातों की मनाही थी। अपनी बोली पर भी नियंत्रण करना पड़ता था। इन्हीं सब कारणों से वह अपने घर को याद करती रहती थी।

प्रश्न 3. इफ़्फ़न की दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाईं?

उत्तरः इफ़्फ़न की दादी पूरब की रहने वाली थीं। उन्हें गाने-बजाने का बहुत शौक था। इफ़्फ़न के दादा एक मौलवी थे। इसलिए उनके घर में गाना-बजाना नहीं हो सकता था। इफ़्फ़न की दादी की इच्छा थी कि वह अपने बेटे की शादी में गाना-बजाना करें परंतु मौलवी की पत्नी होने के कारण उनकी इच्छा पूरी नहीं हो सकी।

प्रश्न 4. 'अम्मी' शब्द पर टोपी के घरवालों की क्या प्रतिक्रिया हुई?

अथवा

'टोपी शुक्ला' कहानी में एक छोटे बच्चे द्वारा 'अम्मी' कहे जाने पर टोपी के घरवालों की प्रतिक्रिया पर आपके क्या विचार हैं? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

उत्तरः टोपी शुक्ला ने इफ़्फ़न के घर में माँ को अम्मी कहना सीखा। अम्मी शब्द उसे अच्छा लगा। उसके मुँह से 'अम्मी' शब्द सुनकर उसके घरवालों के होश उड़ गए। उस समय वे खाने की मेज पर थे। टोपी की माँ रामदुलारी खाना परोस रही थीं। वह क्रोधित होकर पूछने लगीं- तुमने अम्मी

कहाँ से सीखा ? दादी भी गरजी 'ये अम्मी कहना तुमको किसने सिखाया है? पिता डॉ. भृगु नारायण कुछ सोचकर गुस्सा पी गए। माँ ने टोपी की बहुत पिटाई की। टोपी के घरवाले रूढ़िवादी विचारों के थे। मेरे विचार से तो भाषा बहती नदी है । कोई भी उसे कभी भी ग्रहण कर सकता है।

प्रश्न 5. दस अक्तूबर सन् पैंतालीस का दिन टोपी के जीवन में क्या महत्त्व रखता है?

उत्तरः टोपी के जीवन में दस अक्तूबर सन् पैंतालीस का दिन खास महत्त्व रखता है। इसी दिन इफ़्फ़न टोपी को छोड़कर दूसरे शहर में चला गया। इफ़्फ़न के पिता जी कलेक्टर थे। उनका तबादला दूसरे शहर में हो गया था इसलिए इफ्फ़न भी उनके साथ चला गया। उसके जाने से टोपी अकेला पड़ गया था। उस दिन उसने कसम खाई थी कि वह ऐसे लड़के से दोस्ती नहीं करेगा, जिसके पिता की बदली होती हो ।

प्रश्न 6. टोपी ने इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात क्यों कही?

उत्तर: टोपी को अपनी दादी अच्छी नहीं लगती थी। इफ़्फ़न की दादी उसे बहुत अच्छी लगती थी । जब इफ़्फ़न की दादी का देहांत हुआ तो वह बहुत उदास हुआ। उसने इफ़्फ़न से कहा कि तेरी दादी की जगह मेरी दादी क्यों नहीं मर गई। उस दिन दोनों दोस्त खूब रोए। इसलिए उसने इफ़्फ़न से दादी बदलने की बात कही थी।

प्रश्न 7. पूरे घर में इफ़्फ़न को अपनी दादी से ही विशेष स्नेह क्यों था?

उत्तरः इफ़्फ़न पूरे परिवार से स्नेह करता था परंतु उसे अपनी दादी से घनिष्ठ प्रेम था। उसकी अम्मी और बहन उसे डाँटती थीं। अब्बू भी कभी-कभी घर को कचहरी समझकर अपना फैसला सुना दिया करते थे। घर में केवल एक दादी थीं जिन्होंने कभी भी उसका दिल नहीं दुखाया था। दादी रात को सोते समय उसे कहानियाँ सुनाती थी। दादी की पूरबी बोली में उसे कहानी सुनना अच्छा लगता था। इसलिए इफ़्फ़न अपनी दादी से बहुत प्रेम करता था।

प्रश्न 8. इफ़्फ़न की दादी के देहांत के बाद टोपी को उसका घर खाली-सा क्यों लगा?

उत्तरः इफ़्फ़न की दादी के देहांत के बाद टोपी को उसका घर खाली-सा लगा क्योंकि टोपी को इफ़्फ़न की दादी बहुत अच्छी लगती थी। टोपी जब भी इफ़्फ़न के घर जाता तो उसकी दादी के पास ही बैठने की कोशिश करता था। एक दिन इफ़्फ़न की दादी मर गई। इफ़्फ़न की दादी के देहांत के बाद टोपी को उसका घर खाली-सा लगता था।

प्रश्न 9. टोपी और इफ़्फ़न की दादी अलग-अलग मज़हब और जाति के थे पर एक अनजान अटूट रिश्ते से बँधे थे। इस कथन के आलोक में अपने विचार लिखिए।

उत्तरः टोपी और इफ़्फ़न की दादी अलग-अलग मज़हब के थे। मगर दोनों अटूट रिश्ते से बंधे थे। प्यार का बंधन किसी जाति और धर्म को नहीं मानता। टोपी हिंदू था और इफ़्फ़न की दादी मुसलमान थी। दोनों आपस में प्रेम-स्नेह के रिश्ते में बंधे थे। दोनों प्यासे थे तथा एक-दूसरे के बिना अधूरे थे। हमारे विचार से यह संबंध उचित था। धर्म-जाति हृदय के बंधन में कोई रुकावट नहीं है। संबंध मानवीय आधार पर होते हैं।

प्रश्न 10. टोपी नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया। बताइए-

(क) ज़हीन होने के बावजूद भी कक्षा में दो बार फेल होने के क्या कारण थे?

(ख) एक ही कक्षा में दो-दो बार बैठने से टोपी को किन भावात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ा?

(ग) टोपी की भावात्मक परेशानियों को मद्देनज़र रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव सुझाइए।

उत्तर: (क) टोपी होशियार होने के बाद भी नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया। इसके दो कारण थे। जब टोपी पहली बार फेल हुआ तब कारण यह था कि मुन्नी बाबू या रामदुलारी कोई-न-कोई काम करवाते थे। उसे पढ़ने का समय ही नहीं मिला। दूसरी बार उसे टाइफाइड हो गया अतः पास न हो सका।

(ख) एक ही कक्षा में दो बार बैठने पर टोपी को अनेक भावात्मक परेशानियाँ उठानी पड़ीं। उसे उसी दर्जे में उन लड़कों के साथ बैठना पड़ा जो पिछले साल आठवें में थे। वह पुराने साथियों के साथ ही खेलता था क्योंकि नए साथियों से उसकी दोस्ती न हो सकी। मास्टर जी जब उसका मजाक उड़ाते तो कक्षा के छात्र हँसते थे। इससे वह इतना शर्माता था कि उसकी गर्दन ऊपर न उठती थी।

(ग) टोपी लगातार दो साल तक नवीं कक्षा में फेल हो गया था। इसके लिए उसके घर के सदस्य तथा स्कूल जिम्मेदार थे। उन्हें उसकी पढ़ाई में सहायता करनी चाहिए थी। उसे कक्षा में शर्मसार नहीं करना चाहिए। कोई भी छात्र पिछले वर्षों में अच्छा परिणाम लाता रहा हो और किसी कारण वश इस वर्ष परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन न कर पाए तो उसे अनुत्तीर्ण नहीं बल्कि पिछले परिणामों के आधार पर उत्तीर्ण घोषित किया जाना चाहिए ।

प्रश्न 11. इफ़्फ़न की दादी के मायके का घर कस्टोडियन में क्यों चला गया?

उतरः इफ़्फ़न की दादी पूरब की रहने वाली थी। वह ब्याह कर लखनऊ आ गई। विभाजन के समय उसके मायके के लोग अपना घर छोड़कर (कराची) चले गए। पीछे बचा उनका घर लावारिस हो गया। अतः वह कस्टोडियन में चला गया क्योंकि उस घर पर किसी का भी अधिकार नहीं बनता था।